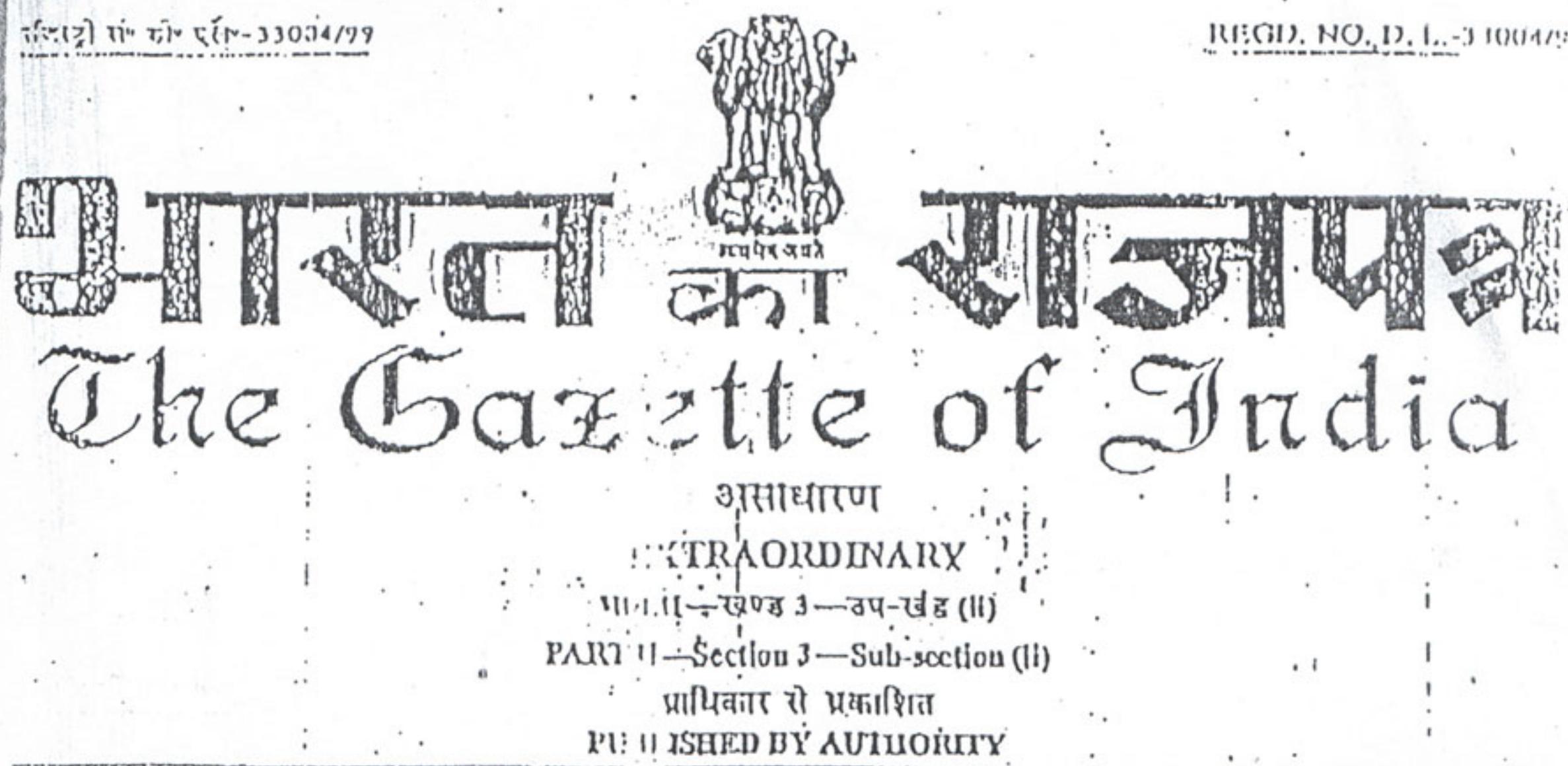


## ANNEXURE- 28

लिखा गया नं. एस-३३०५४/९९

REGD. NO. D. L.-3 1004/99



रा. 769 ]

No. 769]

नई दिल्ली, अधिकार 17, 2001/अश्विन 25, 1923

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 17, 2001/ASVINA 25, 1923.

कृषि मंत्रालय  
(पशुपालन और फ़ैदी विभाग)  
आधिकारिक  
गाँव दिल्ली, 16 अक्टूबर, 2001

का. 30. 1043(अ).—पशुपन आयात अधिकार 1, 1898 (1595 नं. 9) को खंड 2 राष्ट्र खंड 3 ए परी पाप (१८६० अधिकारों का प्रयोग करते हुए ऐन राजनार एवं राजनार या अप्रूपित दरती है कि "पशुपन उत्पाद" शब्द में गाड़ी, गांव, गांवीना गांव संबंधित ताहिंग गांवी रानुदी जीवों ने जन्तवाद अंदे पापा का न रापित होने परी एवं अपार्वती, अंडी उत्तीर्णीजी या आयात की १८६० अधिकार 1, 1898 (9-7-2001) यो भास्तु के असंचारण के लिए गांव नं. १०४३ (ii) में प्रकाशित राजपत्र अधिरामा या. अ. ६५५ (अ) को अपनाये हैं।

[प्रापिकार नं. 109-6/2001-ट्रैड]

प्रधान मंत्री द्वारा,  
म. सरिंगम

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(Department of Animal Husbandry and Dairying)  
NOTIFICATION

New Delhi, the 16th October, 2001

S. O. 1043(E).—In exercise of the powers conferred by clause (d) of section 2 and Section 3 A of the Livestock Importation Act, 1898 (9 of 1898), the Central Government hereby notifies that the word "livestock product" shall cover products, eggs and seeds of all aquatic animals including fish, crustaceans and molluscs and that the import of these products, eggs and seeds will be allowed against a Sanitary Import Permit to be issued by this Department subject to the conditions as mentioned in the Gazette Notification S.O. No. 655(E) published in the Extraordinary Gazette of India, Part II-Sec. 3(ii) on 9th July, 2001.

[File No. 109-6/2001-Trade]

CHITRA GOURLAL, J. S.C.